

जेईई एडवांस्ड से प्रवेश

इसी सत्र से शुरू होंगे बीएस और बीटेक प्रोग्राम

IIT-I में केमिस्ट्री से लेकर हेल्थ टेक तक नए विकल्प

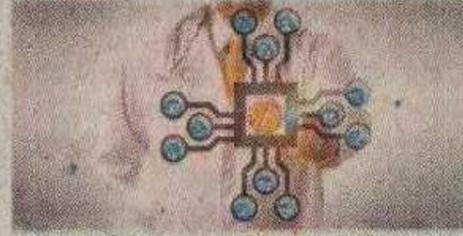
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. इंजीनियरिंग और रिसर्च के लिए पहचान बना चुके आइआईटी इंदौर ने विद्यार्थियों के लिए नए शैक्षणिक विकल्प खोले हैं। संस्थान शैक्षणिक सत्र 2026-27 से तीन नए अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम शुरू करने जा रहा है।

इनमें बीएस (बैचलर ऑफ साइंस) और बीटेक के कोर्स हैं। इन्हें इस तरह डिजाइन किया गया है कि विद्यार्थी एक साथ कई विषयों की पढ़ाई कर सकें और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से तैयार हो सकें।

1. बीएस इन एप्लाइड एंड इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री (4 साल): रसायन विज्ञान विभाग द्वारा संचालित इस कोर्स में केमिस्ट्री के साथ इंजीनियरिंग और कम्प्यूटेशनल तकनीक का मिश्रण है। एआइ/एमएल, कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग, मॉलिक्यूलर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा और एनर्जी सेक्टर पर फोकस है। विद्यार्थियों को थ्योरी के साथ लैब में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग भी मिलेगी। इस कोर्स में 20 सीटें होंगी।

ये हैं तीन नए कोर्स



2. बीटेक इन एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग: यह इंजीनियरिंग, पर्यावरण विज्ञान और अर्थशास्त्र का संयुक्त कोर्स है। इसमें 30 सीटों पर प्रवेश मिलेगा। यह जलवायु परिवर्तन और सस्टेनेबिलिटी जैसे मुद्दों पर काम करने के लिए तैयार करेगा।

3. बीटेक इन बायोमेडिकल साइंस: यह कोर्स हेल्थकेयर, इंजीनियरिंग और डेटा साइंस का कॉम्बिनेशन है। इसमें एआइ और डेटा के जरिए मेडिकल टेक्नोलॉजी विकसित करने पर फोकस रहेगा। साथ ही स्मार्ट वियरेबल्स, बायोमेडिकल डिवाइस और हेल्थ डेटा एनालिटिक्स में कैरियर के अवसर भी मिलेंगे। इसमें भी 30 सीटों पर प्रवेश मिलेगा।

क्यों खास हैं ये कोर्स

इन तीनों प्रोग्राम्स एक विषय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कई क्षेत्रों को जोड़कर तैयार किए गए हैं। इससे छात्रों को नई टेक्नोलॉजी की समझ, रिसर्च और इंडस्ट्री में अवसर, ग्लोबल कैरियर के विकल्प भी मिलेंगे। इस कोर्स में जेईई के जरिए ही प्रवेश मिलेगा। आइआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस जोशी के अनुसार ये कोर्स ऐसे छात्रों को तैयार करेंगे जो अलग-अलग विषयों को समझते हों और जिम्मेदारी के साथ नवाचार कर सकें।